ज्ञान नेत्र सदा खुला रखने से फायदे

1. अपने को आत्मा समझ परमात्मा को यथार्थ याद कर सकेंगे।
2. पुरानी छी:-छी: दुनिया सहज भूलती जाएगी।
3. ज्ञान का मनन-चिन्तन सहज होने से स्थिति श्रेष्ठ बन जाएगी।
4. बुद्धि में सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त का चक्र सहज घूमता रहेगा।
5. ज्ञान के राज़ बुद्धि में रहने से हर प्रकार की नाराजगी समाप्त हो जाएगी।
6. मन्सा सेवा में रूचिपूर्वक वृद्धि होने से दुआओं का खाता बढ़ता जाएगा।
7. ज्ञान टपकता रहने से खुशी का पारा चढ़ा रहेगा।
8. ज्ञान नेत्र खुला रहने से अतिन्द्रिय सुख की अनुभूति में रह सकेंगे।
9. देह व देह के संबंधों, पदार्थों आदि से ममत्व मिट जाएगा।
10. ज्ञानसूर्य की याद रहने से मैं और मेरापन समाप्त हो जाएगा।
11. माया के सब प्रकार के तूफान समाप्त हो जाएंगे।
12. परचिन्तन, परदर्शन, प्रपंच से किनारा करना सहज हो जाएगा।
13. तीसरा नेत्र खुला रहने से जीवन में रूहानियत बढ़ती जाएगी।
14. सबके प्रति कल्याण की भावना, आत्मिक भावना, सहयोग की भावना बढ़ती जाएगी।
15. अपनेपन से दूसरों को आगे बढ़ाने का उमंग-उत्साह आएगा।
16. योग की विभिन्न श्रेष्ठ अनुभूतियां होने से आत्मा हल्का अनुभव करेगी।
17. मोस्ट बिलवेड बापदादा व परिवार से रूहानी लव बढ़ता जाएगा।
18. सेवा करते हुए योगयुक्त स्थिति बनने की सुखद फीलिंग रहेगी।
19. सब प्रकार के विकारों से नफरत, घृणा आएगी।
20. जाति-पाति-भाषा-रंग आदि सब प्रकार के भेदभाव मिट जाऐंगे।
21. व्यवहारिकता सरल होने से समय पर सहयोग मिल जाएगा।
22. बाबा जो है जैसा है वैसा समझ याद करने में मधुर मिलन की अनुभूति होगी।
23. अपना लक्ष्य स्मृति में रहने से पुरुषार्थ की स्पीड बढ़ती जाएगी।
24. पुराने स्वभाव, संस्कार आदि समाप्त होते जाएंगे।
25. रॉयल व ऊंच कुल के दैवी संस्कार बढ़ जाएंगे।
26. संपूर्ण निर्विकारिता की मंजिल आसान लगने लगेगी।
27. मन, बुद्धि की एकाग्रता बढ़ने से योगयुक्त होना सरल हो जाएगा।
28. अपना ज्ञान श्रृंगार करने से दूसरों को भी बाबा की तरफ आकर्षित कर सकेंगे।
29. देही, विदेही, अशरीरी, निराकारी, अव्यक्त स्थिति बन जाएगी।
30. बेफिकर बादशाह की स्थिति होने से मन सदा खुशी में झूमता रहेगा।
31. ज्ञान का नेत्र सदा खुला रखने से चार्ट बहुत अच्छा बन जाएगा।

ओम् शान्ति